Methodology of Teaching Optional Subject Hindi

Item Text	Option Text 1	Option Text 2	Option Text 3	Option Text 4
भारतीय संविधानने हिन्दी को राष्ट्रभाषाका का दर्जा कब दिया	१९४९	१९४८	१९४७	१९५०
किस अंगके अध्ययन बिना भाषा शिक्षा पूर्ण नहीं हो सकती ?	व्याकरण	निबंद	कथा	संभाषण
मौखिक रचना मे किस बात का अंतर्भाव होता है	कहानी कथन	कहानी लेखन	पत्र लेखन	रस ग्रहण
जिन राज्यो मे हिन्दी भाषा मातृभाषा हे उन राज्यो मे हिन्दी भाषा	द्वितीय स्तर की भाषा	तृतीय स्तर की भाषा	प्राथमिक स्तर की भाषा	त्रीस्तर भाषा
भाषाके अध्ययन के लिए सुत्र के रूप मे एक ठोस आधार प्रधान करना किस व्याकरण का गुण है	प्रयोगिक व्याकरण	कार्यात्मक व्याकरण	व्यावहारिक व्याकरण	सैंद्धांतिक व्याकरण
लिखित रचना मे किस बात का अंतर्भाव होता है	पत्र लेखन	कहानी कथन	भाषण	संभाषण
महाराष्ट्र मे हिन्दी भाषा का स्तर	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ
हिन्दी और मराठी भाषा व्याकरण का मुख्य आधार	इंग्लिश व्याकरण	हिन्दी व्याकरण	संस्कृत व्याकरण	व्यावहारिक व्याकरण
हिन्दी भाषा का अध्ययन कराते समय किन विचारोंका अकलना होना जरूरी है	मौखिक और लिखत	मौखिक	लिखत	कथित
भारत की बहुभाषिक समस्या पर .....भाषा हल निकलती है	मराठी	इंग्लिश	तमील	हिन्दी
मौखिक याने .... व्यक्त किया गया रचना प्रकार	लिखकर	लिखकर और बोलकर	बोलकर	बोलकर और लिखकर
मौखिक कार्य मे छात्रो के मन मे नयी भाषा सीखने का	डर बढ़ जाता है	डर कम हो जाता है	संकोच निर्माण होता है	रुचि कम होती है
लिखित कार्य मे छात्रके	लेखन अंग का विकास होता है	मौखिक अंग का विकास होता है	संभाषण का विकास होता है	निरीक्षण का विकास होता है
छात्र शैलीपूर्ण लेखन कब करेंगे ?	वाचन मे रुचि बढ़ेगी तब	लेखन मे रुचि बढ़ेगी तब	बोलने मे रुचि बढ़ेगी तब	समजनेमे रुचि बढ़ेगी तब
नयी भाषा का .....सीखने मे मौखिक कार्य महत्वपूर्ण है	लहजा	ढंग	चलन	ढब
छात्र की .....विकास करने मे लिखित कार्य सहायक बनाता है	आयु	आदतोंका	सर्जंशीलता	रेहनसहन का
नयी भाषा सीखते समय एन भाषिक कौशल्योंका विकास करना जरूरी है	श्रवण और भाषिक कौशल्य	सिर्फ श्रवण कौशल्य	सिर्फ भाषिक कौशल्य	संभाषण कौशल्य

Methodology of Teaching Optional Subject Hindi

निबंध की रचना कराते समय इन अंगो का विचार करना जरूरी है	विचार तत्व	भाषा तत्व	रचना तत्व	विचार तत्व, भाषा तत्व, रचना तत्व
विचार तत्व याने निबंध की	विषय वस्तु	कार्य वस्तु	रचना वस्तु	भाषा वस्तु
सिद्धांत प्रणालिको..... प्रणाली भी कहते है	उद्गामी	समन्वयात्मक	अव्याकृति	विश्लेषणात्मक